भविष्यवाणी की उलटी गिनती

मंदिर का पुनर्निर्माण

एक आश्चर्यजनक तथ्य:

एक “शुद्धकक्ष” एक सावधानीपूर्वक नियंत्रित वातावरण है जो पृथ्वी पर सबसे शुद्ध हवा प्रदान करने के लिए धूल, हवा में उड़ने वाले रोगाणुओं और भाप बनकर उड़ने वाले कणों जैसे प्रदूषकों को छानता है। कई कंपनियों के पास सेमीकंडक्टर, नैनोबॉट्स, दवा और चिकित्सा उपकरण जैसे उत्पादों के उत्पादन की सुरक्षा के लिए शुद्धकक्ष हैं। इन वस्तुतः कण-मुक्त कमरों में, बाहरी हवा एक शक्तिशाली प्रणाली से होकर गुजरती है जो दबाव, तापमान और नमी को नियंत्रित करने के साथ-साथ हवा को कीटाणुरहित करती है। यह एक बड़ा काम है क्योंकि एक इंसान काम करते हुए प्रति मिनट लगभग 50 लाख कण उत्पन्न करता है! यही कारण है कि शुद्धकक्ष में काम करने वालों को विशेष रोवां-मुक्त जंपसूट, गम-बूट, फेस मास्क और चश्मा पहनना चाहिए। शुद्धकक्ष का विकास 1860 के दशक में हुआ जब स्कॉटिश सर्जन जोसेफ लिस्टर ने अस्पताल के ऑपरेटिंग कमरों में बैक्टीरिया की उपस्थिति को सीमित करने की मांग की।

पाठ 12

बुतपरस्ती और मूर्तिपूजा से घिरे मिस्र में 200 वर्षों तक गुलामों की तरह रहने के बाद, इस्राएल की संतान ने परमेश्वर की पवित्रता और पाप की घातक प्रकृति के बारे में अपनी जागरूकता खो दी थी।

उन्हें गुलामी से बचाने के बाद, प्रभु को उन्हें वादा किए गए देश में ले जाने से पहले कुछ अत्यावश्यक काम करने की ज़रूरत थी-उन्हें सिखाए कि उनके पापों को कैसे क्षमा किया जाए और पवित्र

जीवन कैसे बनाए रखा जाए। इस परिवर्तन के लिए मुख्य प्रेरक शक्ति यह थी कि परमेश्वर उनसे प्रेम करता था और उनके साथ रहना चाहता था। परन्तु परमेश्वर अपने लोगों को पहले उनके पापों से शुद्ध किये बिना उनके साथ नहीं रह सकता था।

उद्धार के इन शक्तिशाली सिद्धांतों को दर्शाने के लिए, परमेश्वर ने इस्राएल की संतान से एक त्रि-आयामी (3D) ढांचे का निर्माण कराया, जिसे वे जंगल में और वादा किए गए देश में अपने साथ ले जाएंगे, एक ऐसा ढांचा जिसमें आज भी हमें सिखाने के लिए बहुत कुछ है ...

जब आपको कोई रिक्त स्थान दिखाई दे, तो लापता शब्द को देखने और उसे भरने के लिए अपनी बाइबल का उपयोग करें ...

1 परमेश्वर ने मूसा से क्या बनाने को कहा, और क्यों?

निर्गमन 25:8 और वे मेरे लिये एक ________________ बनाएँ कि मैं उनके बीच ________________ करूँ।

भजन संहिता 77:13 हे परमेश्वर, तेरा ________________ पवित्रस्थान में है (अंग्रेजी बाइबल के अनुसार)।

ध्यान दें: परमेश्वर का उद्धार का मार्ग, या योजना, सांसारिक पवित्रस्थान में प्रकट हुई थी। मंदिर और उसकी सेवाएँ इस बात का प्रतीक थीं कि यीशु मानवता को बचाने के लिए क्या करेगा। जब तक हम पवित्रस्थान को नहीं समझ लेते तब तक उद्धार की योजना को पूरी तरह से समझना कठिन है। यह एक विशाल, त्रि-आयामी (3D) आंखोंदेखा पाठ था!

2 मूसा को पवित्रस्थान का नमूना कहाँ से प्राप्त हुआ?

निर्गमन 25:40 सावधान रहकर इन सब वस्तुओं को उस ________________ के समान बनवाना, जो तुझे इस ________________ पर दिखाया गया है।

AMAZING FACTS INTERNATIONAL
प्रतिलिप्याधिकार © 2025 अमेजिंग फैक्ट्स इंटरनेशनल द्वारा। सर्वाधिकार सुरक्षित
P.O. Box 1058, Roseville, CA 95678 | amazingfacts.org | AFTV.in | 800-538-7275 | पवित्रशास्त्र के उद्धरण हिंदी बाइबिल (बीएसआई) और (ऑनलाइन-बीएसआई) से लिए गए हैं।

ध्यान दें: परमेश्वर ने मूसा को सीनै पर्वत पर पवित्रस्थान का नमूना दिया था (इब्रानियों 8:5)। यह स्वर्ग में परमेश्वर के वास्तविक पवित्रस्थान का एक सूक्ष्म नमूना था। पहला पवित्रस्थान, या तम्बू, एक तम्बू-प्रकार की संरचना थी, 15 फुट x 45 फुट। वहाँ, विशेष सेवाओं के आयोजन के समय परमेश्वर की अलौकिक उपस्थिति वास करती थी। दीवारें बबूल की लकड़ी के तख्तों से बनी थीं जो चांदी की कुर्सियों में जड़े हुए थे और सोने से मढ़े हुए थे (निर्गमन 26:15-19, 29)। छत आवरण की चार परतों से बनी थी: सनी, बकरी के बाल, लाल रंग में रंगी हुई मेढ़े की खाल, और सूइसों की खाल (पद्य 1, 7, 14)। इसमें दो कमरे थे: पवित्र स्थान (15 फुट x 30 फुट) और महापवित्र स्थान (15 फुट x 15 फुट)। इस पाठ की समीक्षा करते समय नीचे दिए गए चित्र को देखें।

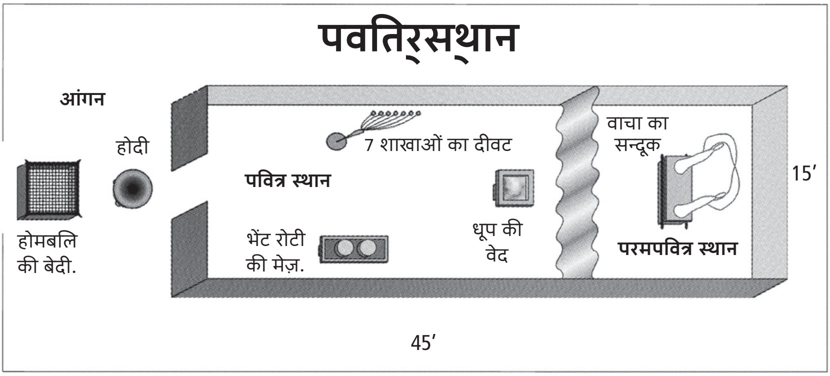

3 आंगन में कौन सा फर्नीचर था?

निर्गमन 29:18 उस पूरे मेढ़े को ________________ पर जलाना; वह तो यहोवा के लिये ________________ होगा।

निर्गमन 30:18 धोने के लिये पीतल की एक ________________, और उसका पाया भी पीतल का बनाना। ... उसमें जल भर देना

ध्यान दें: होमबलि की वेदी (निर्गमन 27:1-8) वह जगह थी जहाँ पशुओं की बलि दी जाती थी। यह पवित्रस्थान के प्रवेश द्वार के ठीक बाहर स्थित थी। यह वेदी यीशु मसीह के क्रूस का प्रतिनिधित्व करती थी। बलि का पशु यीशु का प्रतिनिधित्व करता था, जो कि परम बलिदान था (यूहन्ना 1:29)। **हौदी** (निर्गमन 30:17-21; 38:8) वेदी और पवित्रस्थान के प्रवेश द्वार के बीच स्थित पीतल का एक बड़ी चिलमची थी। वहाँ, याजक पवित्रस्थान में प्रवेश करने या बलि चढ़ाने से पहले अपने हाथ और पैर धोते थे। पानी बपतिस्मा, पाप से शुद्धिकरण और नए जन्म का प्रतिनिधित्व करता था।

4 पवित्र स्थान में फर्नीचर की कौन-सी तीन वस्तुएँ थीं?

गिनती 4:7 फिर _______________ रोटी की _______________ पर नीला कपड़ा बिछाकर ... नित्य की रोटी भी उस पर हो।

गिनती 8:2 जब जब तू दीपकों को जलाए तब तब सातों दीपकों का प्रकाश _______________ के सामने हो।

निर्गमन 30:1 फिर _______________ जलाने के लिये बबूल की लकड़ी की _______________ बनाना।

ध्यान दें: भेंट वाली रोटी की मेज़ (निर्गमन 25:23-30) यीशु, जीवित रोटी (यूहन्ना 6:51) का प्रतिनिधित्व करती है। **सात शाखाओं वाला दीवट** (निर्गमन 25:31-40) यीशु का प्रतिनिधित्व करता था, जो संसार की ज्योति था (यूहन्ना 9:5; 1:9)। तेल के दीपक पवित्र आत्मा का प्रतीक हैं (जकर्याह 4:1-6; प्रकाशितवाक्य 4:5)। और **धूप की वेदी** (निर्गमन 30:1-8) परमेश्वर के लोगों की प्रार्थनाओं का प्रतिनिधित्व करती थी (प्रकाशितवाक्य 5:8)।

5 परमपवित्र स्थान में कौन सी विशेष वस्तु थी?

व्यवस्थाविवरण 10:4, 5 और जो _______________ यहोवा ने... पहलों के समान उन पटियाओं पर लिखे ... तब मैं पर्वत से नीचे उतर आया, और पटियाओं को अपने बनवाए हुए _______________ में धर दिया; और यहोवा की आज्ञा के अनुसार वे वहीं रखी हुई हैं।

निर्गमन 26:34 फिर परमपवित्र स्थान में साक्षीपत्र के _______________ के ऊपर प्रायश्चित्त के ढकने को रखना।

ध्यान दें: परमपवित्र स्थान में एकमात्र वस्तु **वाचा का सन्दूक** था, जो सोने से मढ़ा हुआ बबूल की लकड़ी का एक संदूक था (निर्गमन 25:10, 11); इसमें दस आज्ञाएँ रखी थीं (पद्य 21)। सन्दूक के ऊपर प्रायश्चित्त का ढकना था, एक आवरण जिस पर दो स्वर्गदूत विपरीत छोर से एक-दूसरे का सामना कर रहे थे, सभी शुद्ध सोने से बने थे (पद्य 17-21)। यह स्थान स्वर्ग में परमेश्वर के सिंहासन का प्रतीक है (भजन संहिता 80:1; यशायाह 6:1, 2)। यह यहीं था, भीतरी परमपवित्र स्थान में प्रायश्चित्त के ढकने के ऊपर, जहाँ परमेश्वर ने मूसा से बात की थी (निर्गमन 25:22)।

6 मसीही की एक परिभाषा है "मसीह का अनुयायी"-बाइबल उसके चरित्र का वर्णन कैसे करती है?

1 पतरस 1:15, 16 पर जैसा तुम्हारा बुलानेवाला ________________ है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चालचलन में पवित्र बनो। क्योंकि लिखा है, "________________ बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूँ।"

1 पतरस 2:9 तुम एक चुना हुआ वंश, और राज–पदधारी ________________ का समाज, और ________________ लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो।

ध्यान दें: परमेश्वर के पवित्र राष्ट्र के सदस्य के रूप में, प्रत्येक विश्वासी को पवित्र होने के लिए कहा जाता है-दुनिया से अलग होने के लिए। परमेश्वर अपने लोगों को उसकी ओर मुड़ने और पाप से दूर रहने के लिए कहता है। यद्यपि हम कभी-कभी इस ऊंचे आदर्श को पूरा करने में असफल हो सकते हैं, विश्वासियों को हमेशा यीशु की तरह बनने का लक्ष्य रखना चाहिए जैसे-जैसे वे उसके सक्षम अनुग्रह के साथ सहयोग करते हैं।

7 परमेश्वर के याजक जो वस्त्र पहनेंगे उसके लिए मार्गदर्शक सिद्धांत क्या होना चाहिए?

निर्गमन 28:42 उनके लिये सनी के कपड़े की जाँघिया बनवाना जिनसे उनका ________________ ढपा रहे, वे कमर से जाँघ तक की हों।

निर्गमन 20:26 मेरी वेदी पर सीढ़ी से कभी न चढ़ना, कहीं ऐसा न हो कि तेरा तन उस पर नंगा ________________ पड़े।

ध्यान दें: यीशु के अनुयायियों के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत उनकी पसंद के कपड़ों में स्वच्छता और शालीनता होनी चाहिए। आज का यौन विचारोत्तेजक फैशन बहुत अधिक प्रलोभन और ऋण को प्रोत्साहित करता है। जबकि परमेश्वर का इरादा यह नहीं है कि उसके लोग टाट पहनें, अनावश्यक रूप से महंगे और भड़कीले कपड़े एक मसीही की अलमारी का हिस्सा नहीं होने चाहिए।

क्या बाइबल विश्वासियों को गहने और फैंसी कपड़े पहनने से हतोत्साहित करती है?

1 तीमुथियुस 2:9 वैसे ही स्त्रियाँ [और पुरुष] भी संकोच और संयम के साथ _______________ वस्त्रों से अपने आप को संवारे; न कि बाल गूँथने और _______________ और मोतियों और बहुमोल कपड़ों से।

1 पतरस 3:3, 4 तुम्हारा श्रृंगार _______________ न हो, अर्थात् बाल गूँथना, और सोने के _______________, या भाँति भाँति के कपड़े पहिनना, वरन् तुम्हारा छिपा हुआ और गुप्त मनुष्यत्व, नम्रता और मन की दीनता की अविनाशी सजावट से सुसज्जित रहे, क्योंकि परमेश्वर की दृष्टि में इसका मूल्य बड़ा है।

यशायाह 3:18-21 उस समय प्रभु घुँघरुओं, जालियों, चंद्रहारों, झुमकों, _______________, घूँघटों, पगड़ियों, पैकरियों, पटुकों, सुगन्धपात्रों, _______________ और _______________, नथों,... इन सभों की शोभा को दूर करेगा।

ध्यान दें: हाँ! परमेश्वर सिखाता है कि शालीन कपड़े मसीहियों के अनुसरण का आदर्श हैं। हालाँकि आभूषण पहनना दुनिया भर में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है, लेकिन धर्मशास्त्र में इसकी नकारात्मक छवि है। आप यशायाह 3:18-23 में उल्लिखित सभी वस्तुओं को श्याद नहीं पहचान सकते, लेकिन दुनिया के अन्य हिस्सों में लोग पहचानते हैं। इनमें से कई बुतपरस्त आभूषण अब पश्चिमी संस्कृति में दिखाई दे रहे हैं। याद रखें, यह उनके गहने ही थे जिनसे इस्राएल की संतान ने एक सोने का बछड़ा बनाया था जिसकी फिर उन्होंने पूजा की थी (निर्गमन 32:2-4)।

पवित्र आचरण बनाए रखने के लिए परमेश्वर ने याजकों, राजाओं और भविष्यवक्ताओं के लिए कौन-सा व्यावहारिक ज्ञान नियम बनाया था?

लैव्यव्यवस्था 10:9 जब जब तू या तेरे पुत्र मिलापवाले तम्बू में आएँ तब तब तुम में से कोई न तो दाखमधु पीए हो न और किसी प्रकार का मद्य, कहीं ऐसा न हो कि तुम _______________ जाओ; तुम्हारी पीढ़ी पीढ़ी में यह विधि प्रचलित रहे।

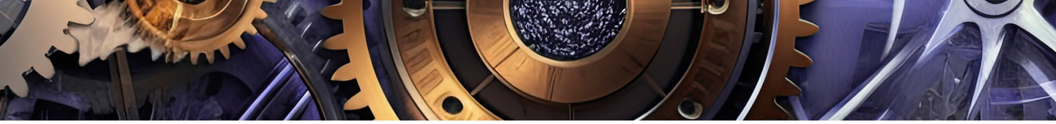

नीतिवचन 31:4, 5 हे लमूएल, राजाओं का दाखमधु पीना उनको शोभा नहीं देता, और मदिरा चाहना, रईसों को नहीं फबता; ऐसा न हो कि वे पीकर ______________ को भूल जाएँ और किसी दु:खी के हक़ को मारें।

लूका 1:15 क्योंकि वह [यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला] ... दाखरस और मदिरा कभी न पीएगा; और अपनी माता के गर्भ ही से ______________ ______________ से परिपूर्ण हो जाएगा।

ध्यान दें: मसीहियों को अपने दिमाग को साफ रखने और परमेश्वर की आत्मा को सुनने के लिए सभी मादक/किण्वित पेय पदार्थों से दूर रहना चाहिए (नीतिवचन 23:31, 32; 1 पतरस 5:8)। बाइबल में “दाखमधु” शब्द का अर्थ किण्वित या अकिण्वित अंगूर का रस हो सकता है। यही बात आज “साइडर” शब्द [सेब के रस] पर भी लागू होती है। नीतिवचन 23:29-32 बाइबल में किण्वित शराब का वर्णन करता है, और परमेश्वर कहता है कि हमें इसे देखना भी नहीं चाहिए! मसीहियों द्वारा उपयोग किया जाने वाला एकमात्र दाखमधु “नया दाखमधु” है, जो कि बिना किण्वित अंगूर का रस है। “गुच्छे में नया दाखमधु पाया जाता है” (यशायाह 65:8)। यह वह दाखमधु है जिसे यीशु ने विवाह भोज के लिए बनाया था (यूहन्ना 2:1-11)।

10 क्या परमेश्वर ने इस बात में भेद किया कि उसके लोग किन पशुओं की बलि चढ़ा सकते हैं और खा सकते हैं?

उत्पत्ति 8:20 तब नूह ने यहोवा के लिये एक वेदी बनाई; और सब ______________ पशुओं और सब ______________ पक्षियों में से कुछ कुछ लेकर वेदी पर होमबलि चढ़ाया।

लैव्यव्यवस्था 11:3 पशुओं में से जितने ______________ या ______________ खुर के होते हैं और ______________ करते हैं, उन्हें खा सकते हो।

लैव्यव्यवस्था 11:9 समुद्र या नदियों के जलजन्तुओं में से जितनों के ______________ और ______________ होते हैं उन्हें खा सकते हो।

ध्यान दें: हमारे लिए चीजों को सरल बनाने के लिए, परमेश्वर ने सभी प्राणियों को दो श्रेणियों में से एक में रखा है: शुद्ध और अशुद्ध। वह हमें शुद्ध वस्तुएं खाने की अनुमति देता है, परन्तु अशुद्ध

प्राणियों को खाने के अयोग्य ठहराता है। शुद्ध घोषित किए गए सभी स्तनधारियों में दो विशेषताएँ होती हैं: (1) चिरे हुए खुर और (2) जुगाली करना। उदाहरण के लिए, सुअर के खुर तो चिरे हुए हैं, परन्तु वह जुगाली नहीं करता, इसलिए वह अशुद्ध है। जल के शुद्ध जीवों में पंख और चोंयेटे दोनों होते हैं-जिसका अर्थ है कि ईल, शंख, मेंढक, कछुए, झींगा और शार्क भोजन के लिए अनुपयुक्त हैं। पक्षियों के मामले में, नियम यह है कि सभी शिकारी पक्षी और मांसाहारी पक्षी अशुद्ध हैं। खरोंचने और चोंच मारने वाले चारागाह पक्षियों (मुर्गियां, बटेर, तीतर, टर्की) को खाया जा सकता है। यहां ध्यान दें कि परमेश्वर की शुद्ध और अशुद्ध जानवरों की श्रेणियां सृष्टि के समय से ही अस्तित्व में हैं। हम सभी नूह से संबंधित हैं, जो यहूदियों से बहुत पहले जीवित था।

11 परमेश्वर क्यों कहता है कि अशुद्ध भोजन खाना एक गंभीर अपराध है?

1 कुरिन्थियों 6:19 क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारी ________________ पवित्र आत्मा का ________________ है, जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है?

1 कुरिन्थियों 3:16, 17 क्या तुम नहीं जानते कि तुम परमेश्वर का ________________ हो, और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है? यदि कोई परमेश्वर के मन्दिर को नष्ट करेगा तो परमेश्वर उसे ________________ करेगा; क्योंकि परमेश्वर का मन्दिर पवित्र है, और वह तुम हो।

यशायाह 66:15, 17 क्योंकि देखो, यहोवा आग के साथ ________________, और उसके रथ बवण्डर के समान होंगे ... “जो लोग अपने को पवित्र और शुद्ध करते हैं ... और ________________ या चूहे का मांस और अन्य घृणित वस्तुएँ खाते हैं, वे एक ही संग ________________ हो जाएँगे”, यहोवा की यही वाणी है।

ध्यान दें: दानिय्येल के पहले अध्याय में, इब्रानी भविष्यवक्ता और उसके दोस्तों ने बाबुल का भोजन खाकर खुद को अशुद्ध करने से इनकार कर दिया। उनके साहस के परिणामस्वरूप, परमेश्वर ने उन्हें बहुत आशीर्वाद दिया और सम्मानित किया। हम जो खाते-पीते हैं और हमारी मानसिक स्पष्टता, प्रलोभन का विरोध करने की क्षमता और सही और गलत के बीच अंतर करने की क्षमता के बीच सीधा संबंध है। एक मसीही जो कुछ भी करता है—जिसमें खाना-पीना भी शामिल है—परमेश्वर की महिमा के लिए किया जाना चाहिए (1 कुरिन्थियों 10:31)। कोई भी पदार्थ या अस्वास्थ्यकर कार्य जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है उसे अलग छोड़ देना चाहिए। इसमें हानिकारक दवाएं (जैसे कि सभी रूपों में तंबाकू) और कई पेय पदार्थ शामिल हैं जिनमें अत्यधिक नशे की लत वाली दवा कैफीन होती है।

12 एक मसीही को किस बारे में सोचना चाहिए?

फिलिप्पियों 4:8 जो जो बातें _______________ हैं, और जो जो बातें आदरणीय हैं, और जो जो बातें उचित हैं, और जो जो बातें _______________ हैं, और जो जो बातें सुहावनी हैं, और जो जो बातें मनभावनी हैं, अर्थात् जो भी _______________ और प्रशंसा की बातें हैं उन पर ध्यान लगाया करो।

भजन संहिता 101:3 मैं किसी ओछे काम पर _______________ _______________ लगाऊँगा।

कुलुस्सियों 3:2 _______________ पर की नहीं परन्तु _______________ वस्तुओं पर ध्यान लगाओ

ध्यान दें: मसीहियों को यौन-क्रिया और हिंसा को मनोरंजन के रूप में देखने से बचना चाहिए। यीशु ने सिखाया कि पाप हमारे विचारों और व्यवहारों में उत्पन्न होता है (मत्ती 5:28)। नूह के दिनों में, संसार नष्ट हो गया क्योंकि एक पूरी पीढ़ी बुरे विचारों और हिंसा से ग्रस्त थी (उत्पत्ति 6:5, 11)। इसलिए, एक मसीही को ऐसे कार्यक्रमों, वीडियो या पठन सामग्री से बचना चाहिए जो अशुद्ध विचारों को प्रोत्साहित करेंगे।

13 बाइबल सांसारिक व्यवहार के बारे में क्या कहती है?

याकूब 4:4 जो कोई संसार का _______________ होना चाहता है, वह अपने आप को परमेश्वर का _______________ बनाता है।

2 कुरिन्थियों 6:17 उनके बीच में से निकलो और _______________ रहो; और अशुद्ध वस्तु को मत छूओ, तो मैं तुम्हें ग्रहण करूँगा।

1 यूहन्ना 2:15 यदि कोई _______________ से प्रेम रखता है, तो उसमें पिता का प्रेम _______________ है।

रोमियों 12:2 इस _______________ के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे मन के _______________ तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।

ध्यान दें: परमेश्वर आज अपने लोगों को इस गिरी हुई दुनिया में यीशु के पवित्र जीवन का अनुकरण करने के लिए बुला रहा है ताकि दूसरों को उसकी शीघ्र वापसी के लिए तैयार होने में मदद मिल सके।

आप का जवाब

यीशु ने चेतावनी दी है कि पवित्रता के बिना, हम उसके राज्य में उसके साथ नहीं रह सकते हैं (मत्ती 5:8; इब्रानियों 12:14)। साथ ही, अगर हम उस पर भरोसा करते हैं तो वह हमारे पापों को धोने और हमें अपने पवित्र जीवन से ढकने की पेशकश करता है। क्या अब आप जीवित बलिदान के रूप में उसके पास आना, स्वयं का इन्कार करना, अपना क्रूस उठाना और उसका अनुसरण करना चुनेंगे? आपको “वर्णन से बाहर और महिमा से भरा हुआ आनंद” मिलेगा! (1 पतरस 1:8)

उत्तर: _______________

आगे का अध्ययन

पतरस के दर्शन को समझना

कई लोगों ने अशुद्ध भोजन खाने को उचित ठहराने के लिए पतरस के जानवरों से भरी एक बड़ी चादर के दर्शन (प्रेरितों के काम 10:9-28) का उपयोग करने की कोशिश की है। वे कहते हैं कि यह साबित करता है कि यीशु ने अपने शिष्यों को सिखाया कि किसी भी जीवित प्राणी को खाना स्वीकार्य है।

हालाँकि, हर बार जब चादर नीचे आती थी और पतरस को "मारकर खाने" के लिए कहा जाता था, तो उसने जवाब दिया, "नहीं प्रभु, कदापि नहीं; क्योंकि मैंने कभी कोई अपवित्र या अशुद्ध वस्तु नहीं खाई है।" (प्रेरितों के काम 10:14)। ध्यान दें कि साढ़े तीन साल तक यीशु की शिक्षाएँ सुनने के बाद भी, पतरस को इस बात का ज़रा भी संकेत या आभास नहीं हुआ कि अशुद्ध भोजन खाने की अनुमति है। यह भी दिलचस्प है कि अपने दर्शन में पतरस ने कभी भी चादर से कुछ नहीं खाया।

पतरस के दर्शन का उद्देश्य अशुद्ध जानवरों को पवित्र करना नहीं था। यह तथ्य कि वह आश्चर्यचकित हुआ कि दर्शन का क्या मतलब है (पद्य 17) एक प्रतीकात्मक अर्थ को इंगित करता है, जिसे उसने स्वयं पद्य 28 में समझाया है: "परमेश्वर ने मुझे बताया है कि किसी मनुष्य को अपवित्र या अशुद्ध न कहूँ।" (जोर दिया गया है)। और पद्य 34 में, प्रेरित ने दर्शन के तर्क को संक्षेप में बताया जब उसने कहा, "अब मुझे निश्चय हुआ कि परमेश्वर किसी का पक्ष नहीं करता।"

पतरस को दिया गया परमेश्वर का संदेश लोगों को न कि जानवरों को शुद्ध करने से था। यह दर्शन यहूदी शिष्यों को प्रभावित करने के लिए दिया गया था कि उन्हें अन्यजातियों को अशुद्ध नहीं कहना चाहिए और सुसमाचार को सभी लोगों के लिए स्वतंत्र रूप से घोषित किया जाना चाहिए।

AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

भविष्यवाणी की उलटी गिनती

पाठ 12

AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

P.O. Box 1058
Roseville, CA 95678
amazingfacts.org
AFTV.in